परिचय

शाहगंज, नगर परिषद्

सीहोर जिले की बुधनी तहसील का नगर शाहगंज पुराने समय से हायर सेकेन्डरी स्कूल के पास एक खेड़ा होने से खेड़ा गांव के नाम से जाना जाता था जिसे खिड़िया भी कहा जाता था। बाद मे इसका नाम चिचली पड़ गया। पश्चात् भोपाल रियाशत की वेगम शाहजहां ने इस नगर का नाम शाहगंज रख दिया। शाहगंज नगर भोपाल स्टेट की तहसील था। 5 जून 1950 तक शहगंज को तहसील का दर्जा रहा।

इसके पश्चात् बुधनी को तहसील बनाया गया विंध्याचल पर्वत श्रेणी एवं पुष्य सलिला मां नर्मदा जी की गोद में बसा हुआ नगर शाहगंज जो पहले चिचली ग्राम के नाम से जाना जाता था अनेक स्मृतियों को अपने आंचल में समेटे हुए है। जहां एक और यह सांस्कृति विरासत की परीपूर्ण है वहीं अध्यातन के क्षेत्र में अग्रणीय है नर्मदा माण्डय ऋषि द्वारा की गई तपस्या इसका अनुठा उदाहरण है। अतः ऋषि मुनियों की तपस्या स्थली रही है। खेड़ापति श्री हनुमान मंदिर चार सौ पांच सौ वर्षो तक के प्राचीन संस्कृति को उदृघृत करता है। पास में ही भव्य सीढ़ी घाट शिल्पकला का अदृघृत उदाहरण है, जोकि पटेघांट के नाम प्रसिद्ध है। समीपस्थ दर्शनीय स्थल अमरगढ़ जलप्रपात एवं बान्द्रभान नर्मदा एवं तवा नदियों का पवित्र संगम है। तपस्वनी जोगेस्वरी देवी मां बाईराम की समाधी भी हैं। यहां प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा पर मेला लगता है, एवं स्नान दान के कारण सदगती प्राप्ती हेतु ये स्थान नर्मदा पुराण में उल्लेखित है। यह विगत 85 वर्षो से स्थानीय कलाकारों द्वारा दशहरा उत्सव पर श्री रामलीला समिति का सफल अयोजन आज भी निर्बाघ रूप से संचालित है, एवं मां नर्मदा जी के उत्तर तट पर विश्राम गृह के समीप विगत 28 वर्ष से सतचण्डी महायज्ञ का सफल आयोजन भी प्रतिवर्ष होता है, एवं मेला भी लगता है। श्री शुभारंभ जगत गुरू श्री शंकराचार्य जी माहाराज 1008 श्री स्वरूपानंद जी के सानिध्य में प्रारंभ हुआ। नर्मदा पुराण के अनुसार इस मांडव तीर्थ पर मकर सक्रांति पर मां नर्मदा दर्शन एवं स्नान दान आदि का विशेष महत्व बताया गया है। यहां पर हर वर्ष हजारों श्रद्धालु मां नर्मदा की परिक्रमा करने आते है।

यह शाहगंज नगर राजधानी से 69 कि.मी. की दूरी पर एवं पवित्र नगर होशंगाबाद से 27 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। नगर मे 15 वार्ड है। यहां सभी वर्गो के लोग नगर मे दशहरा उत्सव एवं ईद मिलन समारोह आदि सभी त्यौहार आपसी सहयोग एवं एकता से मनाते है। सुरभ्य पहाड़ी एवं प्राकृति सौन्दर्य से घिरा शाहगंज सुख एव शान्ति का ऐसा श्रोत है जो सोभ्य है सुन्दर है और सतत् विकास पथ पर अग्रसर है।